अनेकांत एज्युकेशन सोसाइटी

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(स्वायत्त)

हिंदी विभाग

स्नातक द्वितीय वर्ष कला प्रोग्राम हिंदी में

(कला संकाय)

सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम

स्नातक द्वितीय वर्ष कला (हिंदी) सेमेस्टर-IV

चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम सिलेबस (2019 पैटर्न)
शैक्षणिक वर्ष 2020-2021 से लागू किया जायेगा

कार्यक्रम का शीर्षक : स्नातक द्वितीय वर्ष कला (हिंदी)

Programme Outcomes (PO)

Program Outcomes (POs) for B.A Programme in Hindi

PO1	**अनुसंधान-संबंधित कौशल** : चुने हुए क्षेत्र और संबद्ध विषयों में अनुसंधान और उच्च शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए अवसर की तलाश है और अनुसंधान नैतिकता, बौद्धिक संपदा अधिकारों और साहित्यिक चोरी के मुद्दों के बारे में जागरूक है। प्रासंगिक, उचित प्रश्न पूछने के लिए पूछताछ की भावना और क्षमता प्रदर्शित करें । किसी अनुसंधान परियोजना के परिणामों की योजना बनाने, निष्पादित करने और रिपोर्ट करने की क्षमता, चाहे क्षेत्र में हो या ना हो वह निगरानी में रहें।
PO2	**प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :** सहानुभूतिपूर्ण सामाजिक सरोकार प्रदर्शित करें और समता केन्द्रित राष्ट्रीय विकास और नैतिक मुद्दों के बारे में जागरूकता के साथ कार्य करने और पेशेवर नैतिकता और जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्ध होने की क्षमता विकासित करें।।
PO3	**सामाजिक क्षमता :** व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में अच्छे पारस्परिक संबंध बनाने के लिए स्वयं को स्पष्ट और सटीक रूप से व्यक्त करें। वास्तविक और आभासी में स्वयं को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त करने के लिए भाषाई दक्षताओं का प्रभावी उपयोग करें मीडिया समूह सेटिंग में बहु सांस्कृतिक संवेदनशीलता प्रदर्शित करें।
PO4	**अनुशासनात्मक ज्ञान :** पारंपरिक अनुशासन ज्ञान और आधुनिक दुनिया में इसके अनुप्रयोगों का मिश्रण प्रदर्शित करें। मजबूत सैद्धांतिक क्रियान्वित करें और चुने गए कार्यक्रम से उत्पन्न व्यावहारिक समझ विकासित करें।
PO5	**व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :** मजबूत कार्य दृष्टिकोण और पेशेवर कौशल से लैस करें। जो उन्हें स्वतंत्र रूप से काम करने में सक्षम बनाएगा।
PO6	**स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :** संलग्न रहने की क्षमता हासिल करें सामाजिक-तकनीकी परिवर्तन के व्यापक संदर्भ में स्वतंत्र और जीवन भर सीखना।
PO7	**पर्यावरण और स्थिरता :** सामाजिक और पर्यावरणीय संदर्भों में वैज्ञानिक समाधानों के प्रभाव को समझें और ज्ञान का प्रदर्शन करें।
PO8	**आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :** आलोचनात्मक सोच के कौशल का प्रदर्शन करें और अपने क्षेत्र में स्थित समस्याओं से निपटने के लिए उच्चक्रम के संज्ञानात्मक कौशल का उपयोग करें। सामाजिक वातावरण, व्यवहार्य समाधान, प्रस्तावित करना और इसके कार्यान्वयन में सहायता करना।

Course Structure for S.Y.B.A., Hindi (2019 Pattern)

Sem	Course Type	Course Code	Course Title	Theory/ Practical	No. of Credits
IV	Major (Mandatory)	HINGEN2401	हिंदी सामान्य–2	Theory	03
	Major (Mandatory)	HIN2402	काव्यशास्त्र (हिंदी विशेष– 1)	Theory	03
	Major (Mandatory)	HIN2403	हिंदी विशेष– 2 (उपन्यास, नाटक तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य)	Theory	03
			Total Credits Semester-VI		**09**

स्नातक द्वितीय वर्ष कला HINDI [S.Y.B.A.]

SEMISTER – IV

सामान्य हिंदी [HINDI GENRAL–2]

PAPER CODE : HIN 2401

(2020-2021)

(2019 Pattern)

Name of the Programme	: S.Y.B.A. Hindi
Program Code	: HIN
Class	: S.Y.B.A.
Semester	: IV
Course Type	: Major Mandatory
Course Name	: सामान्य हिंदी [HINDI GENRAL–2]
Course Code	: HIN 2401
No. of Lectures	: 48
No. of Credits	: 03

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि कहानीकारों एवं कवियों से परिचित कराना।
2. छात्रों को हिंदी कहानी एवं नई कविता की विशेषताओं से परिचित कराना।
3. छात्रों को हिंदी के कार्यालयीन एवं व्यावहारिक पत्रों के स्वरूप का ज्ञान देना।
4. छात्रों को पारिभाषिक शब्द, विज्ञापन, भेंटवार्ता/साक्षात्कार, रिपोर्ट लेखन आदि हिंदी भाषा के व्यावहारिक क्षेत्रों से परिचित कराना।
5. छात्रों को हिंदी शब्द–युग्म का ज्ञान कराना।
6. विभिन्न मूल्यों का परिचय देना।
7. कहानी तथा काव्य का सैद्धांतिक परिचय कराना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-छात्र हिंदी के प्रतिनिधि कहानीकारों एवं कवियों से परिचित होंगे।
CO2-छात्र हिंदी कहानी एवं नई कविता की विशेषताओं से परिचित होंगे।
CO3-छात्र विभिन्न मूल्यों से रूबरू होंगे।
CO4-छात्रों को हिंदी के कार्यालयीन एवं व्यावहारिक पत्रों के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त होंगा।
CO5-कहानी और काव्य में चित्रित समाज की विविध समस्याओं से छात्रों परिचित होंगे।
CO6-छात्रों की अभिव्यक्ति को सक्षम बनाना।
CO7-कहानी और काव्य लेखन की प्रतिभा जागृत होंगी।

अध्यापन पद्धतिः

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. कहानी समीक्षा के विविध आयाम उद्घाटित करना।
3. पत्रों के नमूनों का छात्रों द्वारा संकलन।
5. वाक्य शुद्धीकरण पर आधारित वस्तुनिष्ठ परीक्षाओं का कक्षा में आयोजन।
6. दृक–श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट आदि का प्रयोग।

द्वितीय वर्ष कला[SYBA]

SEMISTER – IV

हिंदी सामान्य –2

HINDI GENERAL - 2

PAPER CODE : HIN 2401

(कहानी, काव्य एवं लेखन)

पाठ्यक्रम

(शैक्षिक वर्ष : 2020–21 से)

द्वितीय सत्र [SEMISTER – IV]

PAPER CODE : HIN 2401

इकाई नं	पाठ्यविषय :	क्रेडिट	तासिकाएँ
1) गद्य	1) घूस एक चिकनाई है–रवींद्र कालिया 2)मीरानाची–मृदुला गर्ग 3)सिलिया–सुशीला टाकभौरे 4)बिगड़ैल बच्चे–मनिषा कुलश्रेष्ठ 5) छावनी में बेघर–अल्पना मिश्र	01	16
2) पद्य	1)गॉव पर मॉ–रमेश सोनी 2)चुनौती–उषा यादव 3) दो हाथियों की लड़ाई–उदयप्रकाश 4)बेजगह–अनामिका 5)इस रूट की सभी लाइनें व्यस्त हैं–सुशांत सुप्रिय	01	16
3) पाठ्य–पुस्तकेत्तर पाठ्यक्रम	क)साक्षात्कार लेना ख) शब्द–युग्म (सूची संलग्न)	01	16

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी के प्रतिनिधि कवि–डॉ. दयानंद शर्मा
2. कहानी नई कहानी–डॉ. नामवर सिंह
3. नई कहानी की भूमिका–कमलेश्वर
4. नई कहानी संदर्भ और प्रकृति–देवीशंकर अवस्थी
5. समकालीन हिंदी कहानी–डॉ. पुष्पपाल सिंह
6. नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर–डॉ. संतोषकुमार तिवारी
7. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि–द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
8. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध आयाम–डॉ. अंबादास देशमुख
9. व्यावहारिक हिंदी भाग 1 और 2 –डॉ. ओमप्रकाश मित्तल
10. प्रारूपण, शासकीय पत्राचार और टिप्पणलेखन–विधि : राजेंद्रप्रसाद श्रीवास्तव
11. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. गोरक्ष थोरात, निराली प्रकाशन, पुणे

क.पारिभाषिक शब्दावली

1. बैंक से संबंधित शब्दावली–

1 **Advance**	अग्रिम, पेशगी
2 **Agreement**	करार, अनुबंध
3 **Audit**	लेखापरीक्षा
2 **Budget**	आय–व्ययक, बजट
3 **Currency**	मुद्रा
4 **Deduction**	कटौती, घटाना
5 **Deposit**	जमाराशि, जमा
6 **Expenditure**	व्यय, खर्च
7 **Finance**	वित्त
8 **Increment**	वेतनवृद्धि
9 **Marketing**	विपणन, खरीदारी
10 **Remuneration**	पारिश्रमिक

2. डाक–तार से संबंधित

1 **Acknowledgement (A.D.)**	प्राप्ति, पावतीस्वीकृति
2 **Addressee**	पानेवाला, प्रेषिती
3 **Communication**	संचार, संदेश
4 **Director (Post Offices)**	निदेशक;डाक)
5 **Inspector**	निरीक्षक
6 **Post office**	डाकघर
7 **Postage Stamp**	डाकटिकट
8 **Postal Address**	डाक पता
9 **Recurring Deposit**	आवर्तीजमा
10 **Registered Letter**	पंजीकृत पत्र

3. प्रशासनिक शब्दावली

1 **Ability**	योग्यता
2 **Bonafide**	वास्तविक
3 **Charge**	प्रभार
4 **Demotion**	पदावनति
5 **File**	फाइल, मिसिल
6 **Gradation**	पदक्रम
7 **Implementation**	कार्यान्वयन
8 **Manuscript**	पॉडुलिपि
9 **Minutes**	कार्यवृत्त
10 **Vacancy**	रिक्तस्थान

4. भारतीय संविधान से संबंधीत

1 **Ambassador**	राजदूत
2 **Bureau**	ब्यूरो, कार्यालय, केंद्र
3 **Cabinet**	मंत्रिमंडल
4 **Bureaucracy**	नौकरशाही
5 **Constituency**	निर्वाचन क्षेत्र
6 **Constitution**	संविधान
7 **Elected**	निर्वाचित
8 **Embassy**	राजदूतावास
9 **Gazette**	राजपत्र
10 **Member of Parliament**	सांसद, संसदसदस्य

5. रेल से संबंधित

1 **A.C. Chair Car**	वातानुकुलनकुर्सी यान
2 **Break Journey**	यात्राभंग, विराम
3 **Compartment**	डिब्बा
4 **Expansion of Journey**	यात्रा विस्तारण
5 **Goods Shed**	मालगोदान
6 **Head Light**	अगलीबडीबत्ती
7 **Mail Train**	डाकगाडी
8 **Pad Lock**	सामान्य ताला
9 **Return Ticket**	वापसी यात्रा टिकट
10 **Zonal Pass**	क्षेत्रीय पास

ख. शब्द–युग्म (समोच्चरित भिन्नार्थक शब्द)

अ. क्र.	शब्द–अर्थ	शब्द–अर्थ
1.	अन्न–अनाज	अन्य –दूसरा
2.	अश्व– घोड़ा	अश्म–पत्थर
3.	अभय –निर्भय	उभय –दोनों
4.	अलि–भ्रमर / भौंरा	अली– सखी / सहेली
5.	अवधि – समय / काल	अवधी–अवध देश की भाषा
6.	कुल–वंश	कूल–किनारा
7.	कर्ण–कान / एक नाम	करण– एक कारक / इंद्रिय
8.	अनिल–पवन / हवा	अनल–अग्नि
9.	अथक–बिना थके हुए	अकथ–जो कहा नहीं जाए
10.	अनभिज्ञ–अनजान	अभिज्ञ–जाननेवाला
11.	किला– गढ़	कीला–बड़ीकील / काँटा
12.	छत्र –छाता	छात्र –विद्यार्थी
13.	चिर–पुराना	चीर–कपड़ा

14.	जऱा–थोड़ा	जरा–बुढ़ापा
15.	तरी–नाव	तर–गीलापन
16.	बहु–बहुत	बहू–पुत्रवधू
17.	भवन–महल	भुवन–संसार
18.	मनुज–मनुष्य	मनोज–कामदेव
19.	मणि–रत्न	मणी –सर्प
20.	रंग–वर्ण	रंक–दरिद्र
21.	विधायक–विधानरचने /	विधेयक–विधान / कानून बनानेवाला
22.	सुर–देवता / लय	सूर–अंधा / सूर्य
23.	सर्ग– अध्याय	स्वर्ग–तीसरालोक
24.	हरि–विष्णु	हरी–हरेरंग की
25.	निसान–झंडा	निशान–चिह्न
26.	पानी–जल	पाणि–हाथ
27.	पवन–वायु	पावन–पवित्र
28.	प्रण–प्रतिज्ञा	प्राण–जान
29.	प्रवाह–बहाव(नदी का)	परवाह–चिंता
30.	बलि–बलिदान	बली–वीर
31.	बात–वचन	वात–हवा
32.	सुचि–पवित्र	सूचि–सुई / सूचनाकरनेवाला
33.	राज– शासन	राज. –रहस्य
34.	लक्ष्य –उद्देश्य / निशान	लक्ष –लाख
35.	सदेह–देह के साथ	संदेह– शक
36.	अध्ययन– पढ़ना	अध्यापन– पढ़ाना
37.	दिन–दिवस	दीन–गरीब
38.	परिणाम–फल / नतीजा	परिमाण–मात्रा
39.	प्रणाम–नमस्कार	प्रमाण–सबूत / नाप
40.	आदि–आरंभ / इत्यादि	आदी–अभ्यस्त
41.	इत्र –सुगंधितद्रव्य	इतर–दूसरा
42.	उपकार–भलाई	अपकार–बुराई
43.	कृति–रचना	कृती– निपुण / पुण्यात्मा
44.	कलि–कलियुग	कली– अधखिलाफूल
45.	कहा –कहना	कहाँ –स्थान निर्देशक
46.	काटा– काटना	काँटा–नुकीला अंकुर
47.	ग्रह–सूर्य,चंद्र आदि	गृह– घर
48.	जलज–कमल	जलद–बादल
49.	तनु–पुत्र / गाय	तनू–दुबला / पतला
50.	दिवा–दिन	दीवा–दीया / दीपक

————————————————

Choice Based Credit System Syllabus (2019 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **SYBA** (Sem IV) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: HINGEN 2401

Tittle of Course : हिंदी सामान्य -2

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1									
CO 2									
CO 3		3							
CO 4				2					
CO 5			3	3					
CO 6				2		3			
CO 7				1		3			
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल :

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO3- छात्र विभिन्न मूल्यों से रूबरू होंगे।

PO3: सामाजिक क्षमता :

CO5- कहानी और काव्य में चित्रित समाज की विविध समस्याओं से छात्रों परिचित होंगे।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5: **व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :**

CO4- छात्रों को हिंदी के कार्यालयीन एवं व्यावहारिक पत्रों के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त होंगा।

CO5- कहानी और काव्य में चित्रित समाज की विविध समस्याओं से छात्रों परिचित होंगे।

CO6- छात्रों की अभिव्यक्ति को सक्षम बनाना।

CO7- कहानी और काव्य लेखन की प्रतिभा जागृत होंगी।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO7- कहानी और काव्य लेखन की प्रतिभा जागृत होंगी।

CO6- छात्रों की अभिव्यक्ति को सक्षम बनाना।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

.....

स्नातक द्वितीय वर्ष कला HINDI [S.Y.B.A.]

SEMISTER – IV

काव्यशास्त्र (हिंदी विशेष– 1)

PAPER CODE : HIN 2402

(2020-2021)

(2019 Pattern)

Name of the Programme : S.Y.B.A. Hindi
Program Code : HIN
Class : S.Y.B.A.
Semester : IV
Course Type : Major Mandatory
Course Name : काव्यशास्त्र (हिंदी विशेष– 1)
Course Code : HIN 2402
No. of Lectures : 48
No. of Credits : 03

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. छात्रों को काव्य (साहित्य) की परिभाषाओं द्वारा काव्य के स्वरूप के साथ काव्य हेतु तथा काव्य के प्रयोजनों का ज्ञान कराना।
2. छात्रों को काव्य के तत्व, काव्य के भेद तथा शब्द शक्ति का ज्ञान कराना।
3. छात्रों को अलंकार, छंदों के स्वरूप के साथ उनका सोदाहरण परिचय कराना।
4. छात्रों को गद्य भेदों के साथ नाटक, एकांकी और निबंध के स्वरूप एवं तत्वों की जानकारी देना।
5. छात्रों को रस का स्वरूप, रस के अंगों एवं भेदों का परिचय देना।
6. छात्रों को आलोचना का स्वरूप, आलोचना की उपयोगिता और आलोचक के गुणों से परिचित कराना।
7. काव्य का महत्व समझाना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-छात्र काव्य साहित्य की परिभाषाओं द्वारा काव्य के स्वरूप, काव्य हेतु तथा काव्य के प्रयोजनों से परिचित होंगे।

CO2-छात्र काव्य के तत्व, भेद, शब्द शक्ति आदि से परिचित होंगे।

CO3-काव्य में अलंकार का होना कितना महत्वपूर्ण होता है इसकी समझ छात्रों को आ जाएंगी।

CO4-छात्र विभिन्न साहित्यिक विधाओं से परिचित होंगे।

CO5-छात्रों में काव्य सृजन की प्रतिभा बढ़ेंगी।

CO6-काव्य में चित्रित विभिन रसों से परिचित होंगे।

CO7-संशोधन वृत्ति विकसित होंगी।

अध्यापन पद्धतिः

1. स्वाध्याय।
2. भारतीय काव्यशास्त्र का सैद्धांतिक एवं अनुप्रयोगात्मक अध्ययन।
3. व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण।
4. दृक–श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट आदि साधनों का प्रयोग।
5. काव्यशास्त्र पर संगोष्ठी तथा समूह चर्चा का आयोजन।
6. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
7. अतिथियों के व्याख्यान।

द्वितीय वर्ष कला [SYBA]

SEMISTER – IV

हिंदी विशेष–1

HINDI SPECIAL - 1

PAPER CODE : HIN 2402

काव्यशास्त्र

पाठ्यक्रम

(शैक्षिक वर्ष : 2020–21 से)

द्वितीय सत्र

इकाई नं	पाठ्य विषय	क्रेडिट
इकाई–I	गद्य के भेदः उपन्यास, कहानी, निबंध, रेखाचित्र।(इन विधाओं का केवल तात्विक परिचय) उपन्यास और कहानी की तुलना।	1
इकाई–II	दृश्य काव्यः अ) नाटक की परिभाषा और तत्व (भारतीय दृष्टि से तत्वों का स्थूल परिचय) आ) माध्यम के आधार पर नाटक के भेद : रंगमंचीय नाटक, रेडियो नाटक, दूरदर्शन नाटक। इ) काव्य नाटक/गीतिनाट्यः स्वरूप एवं सामान्य परिचय। ई) एकांकीः परिभाषा और तत्व, नाटक और एकांकी की तुलना।	1
इकाई–III	रस : अ) रस की परिभाषा एवं स्वरूप। आ) रस के अंगः स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव और संचारी भाव। इ) रसों का सोदाहरण परिचयः श्रृंगार रस, करूण रस, वीर रस और हास्य रस। आलोचना : स्वरूप, उद्देश्य एवं आवश्यकता तथा आलोचक के गुण।	1

संदर्भ ग्रंथ :

1. काव्यशास्त्र : डॉ भगीरथ मिश्र
2. काव्य के तत्व : आ. देवेंद्रनाथ वर्मा
3. साहित्य विवेचन : क्षेमचंद्रसुमन/योगेंद्रकुमार मल्लिक
4. साहित्यशास्त्र परिचय : डॉ. सुधाकरकलवडे
5. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
6. भारतीय एवंपाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. सुरेशकुमार जैन/प्रा.महावीर कंडारकर
7. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. जितेंद्रनाथ मिश्र
8. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त
9. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. योगेंद्रप्रताप सिंह
10. भारतीय काव्यशास्त्र : सिद्धांत : डॉ. कृष्णदेव झारी
11. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत : डॉ. सुरेश अग्रवाल
12. समीक्षा शास्त्र के भारतीय मानदंड : डॉ. रामसागर त्रिपाठी
13. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. यतींद्र तिवारी
14. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. देवराजसिंह भाटी
15. काव्य–प्रदीप : पं. रामबहोरी शुक्ल
16. काव्यांग प्रकाश : डॉ. विजयपाल सिंह
17. काव्यांग–कौमुदी : पं. विश्वनाथप्रसाद मिश्र

Choice Based Credit System Syllabus (2019 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: SYBA (Sem IV) **Subject:** HINDI

Course: Theory **Course Code:** HIN 2402

Tittle of Course : काव्यशास्त्र (हिंदी विशेष–1)

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1			2		2				
CO 2									
CO 3									
CO 4									
CO 5		1				2			
CO 6						2			
CO 7	2					2		3	
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल :

CO7- संशोधन वृत्ति विकसित होंगी।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO5- छात्रों में काव्य सृजन की प्रतिभा बढ़ेंगी।

PO3: सामाजिक क्षमता :

CO1- छात्र काव्य साहित्य की परिभाषाओं द्वारा काव्य के स्वरूप, काव्य हेतु तथा काव्य के प्रयोजनों से परिचित होंगे।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5: **व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :**

CO1- छात्र काव्य साहित्य की परिभाषाओं द्वारा काव्य के स्वरूप, काव्य हेतु तथा काव्य के प्रयोजनों से परिचित होंगे।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO5- छात्रों में काव्य सृजन की प्रतिभा बढ़ेंगी।

CO6- काव्य में चित्रित विभिन रसों से परिचित होंगे।

CO7- संशोधन वृत्ति विकसित होंगी।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO7- संशोधन वृत्ति विकसित होंगी।

स्नातक द्वितीय वर्ष कला HINDI [S.Y.B.A.]

SEMISTER – IV

हिंदी विशेष– 2

(उपन्यास, नाटक तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य)

PAPER CODE :HIN 2403

(2020-2021)

(2019 Pattern)

Name of the Programme	: S.Y.B.A. Hindi
Program Code	: HIN
Class	: S.Y.B.A.
Semester	: IV
Course Type	: Major Mandatory
Course Name	: हिंदी विषेष– 2 (उपन्यास, नाटक तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य)
Course Code	:HIN 2403
No. of Lectures	: 48
No. of Credits	: 03

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. हिंदी उपन्यास एवं नाटक के विविध मानदंडों के आधार पर छात्रों में समीक्षण की क्षमता निर्माण करना।
2. छात्रों में हिंदी उपन्यास एवं नाटक के आस्वादन की क्षमता विकसित करना।
3. मध्ययुगीन संत एवं भक्तों के काव्य से छात्रों को परिचित कराना।
4. मध्ययुग के प्रतिनिधि कवियों के योगदान के विविध आयामों से छात्रों को परिचित कराना।
5. साहित्य कृतियों के माध्यम से साहित्य के शिल्प एवं सौदर्य से परिचित कराना।
6. भक्ति और प्रेम के महत्व को समझाना।
7. विभिन्न परिस्थितियों से परिचित कराना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-हिंदी उपन्यास एवं नाटक के विविध मानदंडों के आधार पर छात्रों में समीक्षण की क्षमता विकसित होंगी।

CO2-छात्रों में हिंदी उपन्यास एवं नाटक के आस्वादन की क्षमता विकसित होंगी।

CO3-छात्र मध्ययुगीन संत एवं भक्तों के काव्य से परिचित होंगे।

CO4-कवियों की प्रासंगिकता को समझाना।
CO5-छात्र भक्ति और प्रेम से परिचित होंगे।
CO6-छात्रों में काव्य सृजन क्षमता विकसित होंगी।
CO7-तत्कालीन परिस्थितियों से परिचित होंगे।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. प्रथम सत्र में स्वाध्याय लेखन लेना।
3. द्वितीय सत्र में आलेख लेखन तथा मौखिकी का आयोजन।
4. नाटक का छात्रों द्वारा मंचन।
5. दृक–श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट आदि साधनों का प्रयोग।
6. अतिथियों के व्याख्यान, संगोष्ठी तथा समूह चर्चा का आयोजन।
7. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।

द्वितीय वर्ष कला [SYBA]

SEMISTER – IV

हिंदी विशेष–2

HINDI SPECIAL - 2

PAPER CODE : HIN 2403

हिंदी विशेष–2

(उपन्यास, नाटक तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य)

पाठ्यक्रम

(शैक्षिक वर्ष : 2020–21 से)

द्वितीय सत्र

पाठ्यपुस्तकें :

1. नाटक : महाभोज–मन्नूभंडारी
प्रकाशन : राधाकृष्ण प्रकाशन, नईदिल्ली।
2. मध्ययुगीन हिंदी काव्य –
संपादक : डॉ. राजेंद्र खैरनार, डॉ. विट्ठलसिंग ढाकरे
प्रकाशक : दिव्य डिस्ट्रीब्यूटर्स, 125/78, एल, गोविंदनगर, कानपुर–208006,
(मध्ययुगीन हिंदी काव्य में से केवल रहीम तथा बिहारी)
1. रहीम : 20 दोहे
2. बिहारी : 20 दोहे

————————————

संदर्भ ग्रंथ :

1. भक्ति आंदोलन और सूरदास काव्य –डॉ. मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नईदिल्ली
2. भक्ति, दर्शन और साहित्य –उमेश शर्मा, रचना प्रकाशन, मथुरा
3. मध्यकालीन लोकचेतना–संपा. डॉ. रविकुमारअनु, संजय प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली
4. दर्शन, साहित्य और समाज–शिवकुमार शर्मा, वाणी प्रकाशन, नईदिल्ली
5. कबीर ग्रंथावली–संपा. श्यामसुंदरदास, चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर
6. कबीर के आलोचक–डॉ. धर्मवीर, वाणी प्रकाशन, नईदिल्ली
7. कबीर–डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली
8. कबीर सौंदर्य भावना–डॉ. ब्रजभूषण शर्मा, वाणी प्रकाशन, नईदिल्ली
9. भ्रमरगीतसार–बोध और व्याख्या –पूर्णमासी राय, निर्मल पब्लिकेशन, दिल्ली– 94
10. सूरदास–आचार्य रामचंद्र शुक्ल, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. सूरसागर सारसटीक–संपा. डॉ. धीरेंद्रवर्मा, साहित्य भवनप्रा. लि. , इलाहाबाद
12. सूरसागर (भाग 1 और 2)–संपा. डॉ. हरदेव बाहरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद–1
13. रहीम ग्रंथावली–डॉ. विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, नईदिल्ली
14. रहीम ग्रंथावली–देशराज सिंह भाटी, अशोकप्रकाशन, नईदिल्ली
15. बिहारी रत्नाकर–संपा. जगन्नाथदास रत्नाकर, ताराबुक एजेन्सी, वाराणसी
16. बिहारी रत्नाकर–संपा. जगन्नाथदास रत्नाकर, समग्र विकास प्रकाशन, इलाहाबाद

17. षटकवि : विवेचनात्मक अध्ययन–डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, निराली प्रकाशन, पुणे
18. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य –डॉ. राजेंद्र खैरनार, दिव्य डिस्ट्रीब्यटर्स, कानपुर
19. साहित्यिक विधाएँ–डॉ. मधु धवन, वाणी प्रकाशन, नईदिल्ली
20. हिंदी नाटक में आधुनिक प्रवृत्तियॉ–डॉ. दमयंती श्रीवास्तव, राकाप्रकाशन, इलाहाबाद
21. हिंदी नाटक–बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नईदिल्ली
22. हिंदी नाटक : सिद्धांत और विवेचन–डॉ. गिरिशरस्तोगी, ग्रंथमप्रकाशन, कानपुर
23. नाट्यालेख –डॉ. तुकाराम पाटील, हृषिकेश प्रकाशन, पुणे
24. स्वांतत्र्योत्तर हिंदी रंगमंच–डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, अतुल प्रकाशन, कानपुर
25. हिंदी नाटक–परमेश्वरी शर्मा, संजय प्रकाशन, नईदिल्ली

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **SYBA** (Sem IV) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**:HIN 2404

Tittle of Course : उपन्यास, नाटक तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य (हिंदी विशेष–2)

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong ordirectrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1	3							3	
CO 2						3			
CO 3						2			
CO 4					2	2			
CO 5		1							
CO 6					3				
CO 7			2						
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल :

CO1- हिंदी उपन्यास एवं नाटक के विविध मानदंडों के आधार पर छात्रों में समीक्षण की क्षमता विकसित होंगी।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO5- छात्र भक्ति और प्रेम से परिचित होंगे।

PO3: सामाजिक क्षमता :

CO7- तत्कालीन परिस्थितियों से परिचित होंगे।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5: **व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :**

CO6- छात्रों में काव्य सृजन क्षमता विकसित होंगी।

CO4- कवियों की प्रासंगिकता को समझाना।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO2- छात्रों में हिंदी उपन्यास एवं नाटक के आस्वादन की क्षमता विकसित होगी।

CO3- छात्र मध्ययुगीन संत एवं भक्तों के काव्य से परिचित होंगे।

CO4- कवियों की प्रासंगिकता को समझाना।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO1- हिंदी उपन्यास एवं नाटक के विविध मानदंडों के आधार पर छात्रों में समीक्षण की क्षमता विकसित होंगी।